गांव के 'हीरो'को बदलने का एक भागीरथ प्रयास

ब्र.कु. देवसिंह, हमीरपुर।

जैसी इस संस्था की थॉट प्रोसेस है, मैं भी ऐसा ही सोचता था, इसलिए मुझे बहुत अच्छा लगा। जो चीज़ मेरे अंदर थी, मुझे वही मिल गई। यहाँ आने के बाद इस यौगिक खेती के प्रोसेस को और अच्छी तरह जानने, समझने का मौका मिला। आज अधिकतर किसानों की ये प्रवृत्ति बन गई है कि कम जगह और कम पैसे में अधिक उत्पादन। ऐटीट्यूड को चेंज करना होगा, अब गांव वालों के अंदर ये विचार विकसित किये जायेंगे, उन्हें इस बात के लिए जागरुक किया जाएगा कि जो तुम्हारी लिविंग है वो ज़्यादा बेहतर है।

प्रश्न: आप इस संस्था के सम्पर्क में कैसे आए और कब जुड़े?

उत्तर: मुझे करीब एक वर्ष हो गया है इस संस्था से जुड़े। मेरी युगल की इसमें गहरी रुचि थी। वे इस संस्था से पहले से ही जुड़ी हुई थीं। उनकी ही प्रेरणा थी कि राजयोग मेडिटेशन का कोर्स करना है। फिर हम सेवाकेन्द्र पर गये और कोर्स किया। हमें जो यहाँ पर समझ में आया तो उसका मुख्य पहलू यही समझ में आया जो ये गैप है और इस गैप को पूरा करने में ये संस्था किस तरह से सहायक हो सकती है। तो उसका मुख्य और मज़बूत पहलू यही था कि इसकी दिशा आध्यात्मिक है, वो उस गैप को पूरा करती है। इसी भावना के साथ मैं इस संस्था से जुड़ गया और एक वर्ष से मैं इस विश्व विद्यालय का एक विद्यार्थी हूँ।

प्रश्न: आप रोज़ाना सेवाकेन्द्र जाकर इस ईश्वरीय शिक्षा का लाभ लेते हैं?

उत्तर: जब मैं फील्ड में होता हूँ तो ये चीज़ें मुझे उपलब्ध नहीं हो पाती हैं, लेकिन मैं यहाँ लखनऊ में रहता हूँ तो मैं रोज़ाना सेवाकेन्द्र पर जाता हूँ और इस पढ़ाई में रेग्युलर रहता हूँ और पीस ऑफ माइंड चैनल से सारे आध्यात्मिक कार्यक्रमों का लाभ लेता हूँ।

प्रश्न: आपका पूरा नाम, आपकी लौकिक पढ़ाई और अपने कार्य के बारे में बतायें।

उत्तर: हमीरपुर जिले में एक गांव है नदेरा, जहां पर मेरा जन्म हुआ। पिताजी एक किसान थे। मेरा नाम है। मैंने ग्रैजुएशन इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से किया। इसके बाद आगे की पढ़ाई और आई.ए.एस. की तैयारी के लिए मैं दिल्ली में रहा। इसके बाद मैंने पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ से एम.एम. किया। फिर मैंने भारत के अधिकतर राज्यों में भ्रमण किया, ऑर्गेनिक खेती करने वाले लोगों से भी मिला और इसके बारे में बहुत सी जानकारियाँ प्राप्त की। वर्तमान समय मैं खुद अपनी 21 एकड़ में ऑर्गेनिक खेती कर रहा हूँ, इसका उद्देश्य यही है कि इसे देखकर दूसरे लोग भी इससे प्रेरणा लेंगे और वे भी ऐसा करने को तैयार हो सकेंगे।

प्रश्न: ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा चलाया जा रहा 'शाश्वत यौगिक खेती' का कॉन्सेप्ट आपको कैसा लगा और इसके बारे में आप अपनी क्या राय रखते हैं?

उत्तर: जैसी इस संस्था की थॉट प्रोसेस है, मैं भी ऐसा ही सोचता था, इसलिए मुझे बहुत अच्छा लगा। जो चीज़ मेरे अंदर थी, मुझे वही मिल गई। यहाँ आने के बाद इस यौगिक खेती के प्रोसेस को और अच्छी तरह जानने, समझने का मौका मिला। आज अधिकतर किसानों की ये प्रवृत्ति बन गई है कि कम जगह और कम पैसे में अधिक उत्पादन। और ज़िम्मेवारी दूसरों पर डालना और अपने आप को हमेशा सही ही समझना। ऐसे हालात को केवल आध्यात्मिक ज्ञान द्वारा ही ठीक किया जा सकता है।

प्रश्न: यहाँ जो मेडिटेशन की विधि बताई जा रही है वो कितनी लाभदायक है, इसके बारे में आप क्या सोचते हैं?

उत्तर: अगर मैं सार में कहूँ तो ये मेडिटेशन हमारी सारी प्रॉब्लम को हमसे अलग कर देता है। जब तक हम इसे गलत विधि से समझते हैं तब तक ऐक्शन-रिऐक्शन होता रहता है। जो चीज़ें घटती हैं उनमें हम रिऐक्ट करते रहते हैं। लेकिन राजयोग द्वारा इन चीज़ों को समझने के बाद हमारे सारे रिऐक्शन्स खत्म हो जाते हैं। हम दूसरे को ज़िम्मेवार या दोषी मानना छोड़ देते हैं। ये एक जागृति है, अगर हम लगातार इसके साथ जुड़े रहते हैं तो दुःखी होने के अवसर लगभग समाप्त ही हो जाते हैं, ऐसे कारण खत्म हो जाते हैं।

प्रश्न: ऑर्गेनिक खेती के साथ यौगिक खेती का जो कॉन्सेप्ट है, आप भी इस क्षेत्र में कार्य करते हैं तो आप इसे कितना महत्व देते हैं?

उत्तर: इंसान जब किसी चीज़ के बारे में जानता है तो वो केवल उस भाग को लेकर चलता है, लेकिन वो एक विशेष पार्ट नहीं है, वो सबकुछ जुड़ा हुआ है। ऐसा कुछ हो ही नहीं सकता कि डिसोसिएट होकर आप एक सरटेन पार्ट को देखो। जैसे स्वाइल, प्लांट, एनिमल्स और ह्यूमन बीइंग, हम कहें कि हम स्वाइल से इसे ठीक करना चालू करें और लास्ट तक आ जाते हैं, ये ठीक है। उसी प्रकार अपना सुधार नाभि से नहीं मन से करें तो सब अपने आप ही ठीक हो जाएगा। जो ऑर्गेनिक सिस्टम है, अगर शब्दों में कहें तो वो भी लिविंग चीज़ की ही बात करता है। अगर किसानों के बीच भी इन चीज़ों को किया जाएगा तो वो वहां भी ज़रूर आएगा। वो चीज़ें धीरे-धीरे उनकी तरफ जाएंगी ही।

प्रश्न: आप किसानों में ऐसी जागरुकता लाने में व इस क्षेत्र के लिए क्या करना चाहेंगे?

उत्तर: मैं इस चीज़ में आगे तो बढ़ ही रहा हूँ। मेरा तो एक ही मात्र उद्देश्य है और था भी, क्योंकि मैं जिस बैकग्राउण्ड से आया था वो खेती का ही रहा है। मेरे पिता भी किसान ही थे। आज के समय में भौतिक जीवन में हमारा आचार-व्यवहार, हमारी महत्वाकांक्षाएं जिस तरह से बन गई हैं, जाने-अनजाने हम इस तरह से ये चीज़ें कर रहे हैं। हमने बहुत सी दूसरी चीज़ों का बोझ एडॉप्ट कर लिया है, और बड़ी तेज़ी से एडॉप्ट करते चले जा रहे हैं। उसकी वजह से वो जीवन चला गया है। ऐटीट्यूड को चेंज करना होगा, अब गांव वालों के अंदर ये विचार विकसित किये जायेंगे, उन्हें इस बात के लिए जागरुक किया जाएगा कि जो आपकी लिविंग है वो ज़्यादा बेहतर है।

प्रश्न: इस संस्था के साथ आपका कोई विशेष अनुभव जुड़ा हो तो हमें बताएं।

उत्तर: मैंने आज तक टी.वी. पर ही ब्रह्माकुमारीज़ के भाई बहनों के प्रवचन सुने थे, लेकिन यहाँ मैंने जब ये सबकुछ सामने देखा सुना तो मेरा वो सम्प्रेषण बहुत ही स्ट्रॉन्ग हुआ है। यहां जो भी बताया गया वो बहुत ही स्मूथली मेरे अंदर समाती गई। ऐसे वातावरण में मुझे बहुत ही सुखद अनुभूति हुई है।

प्रश्न: ये परमात्मा का कार्य है और परमात्मा ने इस कार्य को आगे बढ़ाकर भारत को पुनः हमारी जो सनातन संस्कृति थी, जहां सभी सुख, शान्ति, चैन से रहते थे और सृष्टि चक्र की बात यहां कही जा रही है, तो आपका इस संदर्भ में क्या विचार है?

उत्तर: ये परमात्मा का कार्य है, इसमें कोई दो मतें नहीं हो सकती, मगर इसके सिस्टम के क्या पार्ट हैं, इसके बारे में और अधिक जानने का प्रयास कर रहा हूँ तभी मैं इसके बारे में कुछ कह सकता हूँ।

पुरुलिया-प.बंगाल। कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित प्री-समर किसान सम्मेलन के दौरान 'रोल ऑफ वुमेन इन स्वाईल हेल्थ मैनेजमेंट' विषय पर सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. संध्या। मंचासीन हैं पी.माइती,ए.डी.एम व अन्य सीनियर साइंटिस्ट।

दिल्ली-पोचनपुर। ज्ञानचर्चा के पश्चात् विधायक गुलाब सिंह को ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. पूजा।

फर्रुखाबाद-बीबीगंज(उ.प्र.)। आध्यात्मिक कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में सुरेश गोयल, डॉ. अनीता सूद, ब्र.कु. मंजू, सी.डी.ओ. नारायण शुक्ला, जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार सिंह, पूर्व सांसद छोटे सिंह यादव, सदाकत हुसैन मौलाना इमाम, प्रान्तीय व्यापार मण्डल उपाध्यक्ष व अन्य।

दिल्ली-हरिनगर। सी.आर.पी.एफ. के ट्रेनी ऑफिसर्स के लिए आयोजित दो दिवसीय 'स्ट्रेस मैनेजमेंट वर्कशॉप' के बाद समूह चित्र में बायें से दायें डी.सी. डी.के. सिंह, ब्र.कु. सारिका, सी.डी.आर. शिव सिंह, कमाण्डेंट बी.सी. शर्मा, कर्नल सती व ट्रेनी ऑफिसर्स।

खानपुर-राज.। सीनियर सेकेण्ड्री गर्ल्स स्कूल में आयोजित एन.एस.एस. कैम्प में 'मन की एकाग्रता' विषय पर सम्बोधित करने के पश्चात् समूह चित्र में बालिकाओं एवं शिक्षिकाओं के साथ ब्र.कु. तपस्विनी।

झुमरी तिलैया-झारखण्ड। ए.डी. बंगला रोड में कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए बायें से समाजसेवी सुरेश जैन, वार्ड पार्षद रीता देवी, माउण्ट आबू से ब्र.कु. भगवान, ब्र.कु. निर्मला एवं समाजसेवी ओमप्रकाश सोनकर।

हाथरस-उ.प्र.। 'मेरा भारत व्यसन मुक्त भारत' अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. शान्ता।